306

अत्यन्त चिनाजनक होती जा रही है क्योंकि हयकरघा उद्योग अनेक प्रकार के संकटों के दौर से गुजर रहा है । सूत और केमिकल्स की कीमतें पहले से ही अधिक हो चुकी है तथा सरकार द्वारा इन चीजों की सरलता से कम कीमत पर उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है साथ ही बनकरों द्वारा तैयार किये गये कपडे की खरीद की भी व्यवस्था ठीक नहीं है। ऐसी हालत में <mark>बुनकरों</mark> को अत्यन्त कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। ग्रतः सरकार से मैं यह मांग करता हं कि सुत और केमिक्स्म को सरलता से उपलब्ध कराने हेत् कारगर एवं ठोस कदम उठाये जाएं तथा गरीब ब्नकरों द्वारा तैयार किया गया कपड़ा पूरी तरह सरकारो एजेंसियों द्वारा खरीद लिया जाये। जब तक यह कदम नहीं उठाया जाता तब तक बनकरों की आर्थिक स्थिति में सुधार सभव नहीं है। जिन बनकरों ने तीन हजार रुपये तक के कज लिये हैं उनके कर्ज भी सरकार को भाफ कर देना चाहिए।

(iv) Womens' rally in protest of dowry deaths and cruelties against women.

श्री ब्रटल बिहारी बाजपैयी (नई दिल्ली) : देश में विजेषकर दिल्ली में दहेज न देने के कारण कुल-वधुओं को जीवित जलाने या मार देने की घटनाएं वढ़ रही है ।

इसके साथ ही साथ स्थान-स्थान पर पुलिस द्वारा महिलाओं के शीलभंग करने के भी समाचार आ रहे ŧπ

यह स्थिति बड़ी विस्फोटक है।

दहेज -विरोधी कानुन को कड़ा बनाने के लिए एक विघेयक दोनों सदनों की सयक्त प्रवर समिति के विचारा-धीन है। मेरा आग्रह है कि अधिक विलंब किए बिना समिति शोघ ही अपना कार्य सम्पन्न करे।

जो पुलिसकर्मी महिलाओं के विरुद्ध अपराध करते हैं, उनके कुकर्मी पर पर्दा डालने के बजाए उन्हें इस प्रकार की कड़ी सजा दी जानी चाहिए, जो औरों के लिए उदाहरण बने ।

आज दिल्ली की हजारों महिलाएं संसद के दरवाजे पर दस्तक देने के लिए एकवित हाई हैं।

उनका साथ देने के लिए देश के लगभग ब्रत्येक भाग से महिलाएं प्रतिनिधि शामिल हुई हैं। भारतीय नारी आज पीड़ित और प्रताहित है। उसका शोल, सम्मान और जीवन बतरे में है। जिस देश में महिला समाज की ऐसी स्थिति हो, वह देश कदापि न तो उन्नर्ति कर सकता है और न विषय में सम्मानजनक स्थान

प्राप्त कर सकता है।

SRAVANA 11, 1904 (SAKA)

मेरा आग्रह है कि सरकार इस विषय में अपनी स्थिति स्पष्ट करे और उपयक्त कार्यवाही का आश्वा-सन दे, जिससे महिला वर्ग का समाधान हो सके ।

(v) Need for taking immediate steps to check mosqiuto menace and alleged increase in incidence of Malaria in Delhi.

श्री राम विलास पासवान (हाजीपूर) : पूरे दिल्ली में मलेरिया एवं मच्छरों का भयंकर प्रकोप हो रहा है। अस्पताल में कूल रोगियों में से आद्ये से अधिक रोगी मलेरिया ग्रस्त है। एन० डी० एम० सी० द्वारा जो पहले मलेरिया उन्मुलन हेतु नियमित रूप से दवाई छिडकाव या अन्य कार्यक्रम चलाए जाते थे अब विन्कूल ही बन्द कर दिया गया है । भहर में काफी गंदगी भी फैलती जा रही है। लोग मच्छरों से परे-शान है । यदि जल्द मच्छरों के उन्मुलन का कार्यक्रम नहीं चलाया गया तो अगले कुछ सप्ताहों में राजधानी में मलेरिया का भयंकर प्रकोप हो जाएगा ।

अतः सरकार इस संबंध में शीघ्र कार्यवाही करे। (vi) Soil erosion on the banks of the river Bhagirathi near Farakka set.

SHRI ZAINAL ABEDIN (Jangipur): Six, the people of West Bengal and the Left Front Government in West are worried about the large scale erosion on the banks of the Bhagirathi near Farakka at the Mayansukh point which has reduced the land gap between the Ganga and the Bhagirathi from 5 Kms. to Kms. The river's shifting course was resulting in the loss of Indian territory and a consequent territorial gain for Bangla-The West Bengal Government had asked the Ganga Flood Control Board for grant of fund to check erosion in the 1980-81 financial year. But the Board has not released the said fund so far.

The land gap between the Ganga and the Bhagirathi was nearly 5 Km. till three years ago. If the Ganga Flood Control Board does not take immediate steps to check erosion, the very purpose of the Farakka Barrage would be lost. erosion not only poses a danger to the towns on the banks which include Dhulian and Jalangi but also threatens the very existence of the Farakka Barrage itself, the national highways, the State highways and the Railway tracks passing between the two rivers.